डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर

DFC News

डीएफसी समाचार

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
भारत सरकार (रेल मंत्रालय) का उपक्रम
WE BELIEVE IN SINCERITY, SPEED & SUCCESS

वर्ष 9, अंक 30 जनवरी–मार्च, 2018

वर्ष 2017-18 में डी.एफ.सी. में अभूतपूर्व प्रगति

डेडीकेटेड फ्रेट कारीडोर कॉर्पोरेशन के लिए वर्ष 2017–18 एक अभूतपूर्व वर्ष रहा। इस वर्ष डी.एफ.सी. ने प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रगति की। सर्वप्रथम पूर्वी और पश्चिमी कॉरीडोर के सभी सिविल कार्य के कान्ट्रैक्ट जारी किये गये। इसी के साथ, दोनों कारीडोरों में ₹ 51,906 करोड़ के कान्ट्रैक्ट अवार्ड कर दिये गये है जो कि कुल कान्ट्रैक्ट का 97% है। इसके अलावा पश्चिमी डी.एफ.सी. पर अटेली–फूलेरा खण्ड (190 कि.मी.) पर भारतीय रेल के इंजन का 100 कि.मी. प्रतिघंटा की रफ्तार से ट्रायल किया गया। इस ट्रायल से एक बात साबित हो गई कि डी.एफ.सी. का ट्रैक अपनी पूर्ण क्षमता और गुणवत्ता के साथ कार्य करने में सक्षम है।

डीएफसी ने इस वित्तीय वर्ष में कुल 547 किलोमीटर लम्बे ट्रैक को लिंक करते हुए मार्च 2018 तक कुल 1124 कि.मी. लम्बे ट्रैक का निर्माण कर लिया है। ट्रैक निर्माण के क्षेत्र में प्रगति के साथ–साथ पुलों के निर्माण में भी काफी प्रगति हुई। पूर्व डीएफसी पर सोन नगर में सोन नदी पर डीएफसी के सबसे लम्बे पुल (3060 मीटर) का निर्माण किया गया। पूर्वी और पश्चिमी डीएफसी में 312 आरयूबी पर डीएफसी का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। इसके अलावा पूर्वी डीएफसी में 17 आरओबी और 54 आरयूबी और पश्चिमी डीएफसी में 79 आरओबी और 31 आरयूबी पर निर्माण कार्य चल रहा है।

डब्ल्यूडीएफसी – अटेली–फुलेरा अनुभाग में ट्रायल रन

ईडीएफसी – मैकेनाइज्ड वायरिंग ट्रेन के जरिए वायरिंग का कार्य प्रगति पर

तकनीकी क्षेत्र में डीएफसी पर पहली बार मैकेनाइज्ड वायरिंग तकनीक द्वारा विद्युतिकृत कार्य किया जा रहा है। विद्युतिकरण के लिए भारत में पहली बार आगॅरिंग मशीन द्वारा ओएचई मास्ट फाउडेशन बनाई जा रही है।

इस वर्ष कैपेक्स में भी काफी वृद्धि दर्ज की गई। इस साल कैपेक्स ₹ 9100 करोड़ (Accrual Basis पर) रहा जोकि पिछले वर्ष ₹ 5488 करोड़ था।

ईडीएफसी – सोन नदी पर डीएफसी में सबसे लंबा पुल (3.06 कि.मी.) पूरा

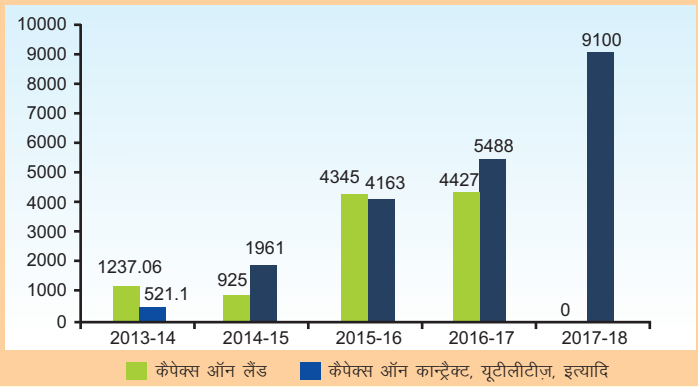

मुख्य उपलब्धियां

अटेली–फुलेरा अनुभाग (190 कि. मी.) में सिविल कार्य पूरे हो गए हैं और 27.03.2018 को 100 कि. मी. प्रति घंटा की गति से आईआर लोकोमोटिव के साथ ट्रायल रन सफलता पूर्वक आयोजित किया गया।

भारतीय रेलवे में पहली बार मशीनीकृत ऑगरिंग तंत्र का उपयोग करते हुए मैकेनाइज्ड वायरिंग ट्रेन और ओएचई मास्ट फाउंडेशन के साथ ओएचई वायरिंग शुरू हुई।

ईडीएफसी में देहरी–ऑन–सोन और सोन नगर के बीच सोन नदी पर पुल नवंबर, 2017 में पूरा किया गया। यह डीएफसीसी प्रणाली पर निर्मित सबसे बड़ा पुल (3060 मीटर) है।

वर्ष 2017-18 की मुख्य उपलब्धियां

पश्चिमी डीएफसी

रेवाड़ी–इकबालगढ़ अनुभाग में प्रगति (सीटीपी–1 और 2 डब्ल्यूडीएफसी चरण –1)

सिविल कार्य : वित्तीय वर्ष के दौरान वित्तीय प्रगति (अर्जित केपैक्स) ₹1760 करोड़ थी। मिट्टी का 80% कार्य, 67% ब्लेंकेटिंग, 76% कंक्रीटिंग, 51% गिट्टी की आपूर्ति, 58% स्लीपर उत्पादन और 40% ट्रैक लिंकिंग (अर्थात 560 कि.मी.) 31.03.2018 तक पूरा हो चुका है। कार्य की कुल भौतिक प्रगति लगभग 74% है और कुल वित्तीय प्रगति 72.3% है। वर्ष के दौरान प्रमुख उपलब्धियां निम्न हैं :

- **ट्रैक को लिंक करना** : मारवाड़ में तीसरी एनटीसी मशीन की शुरूआत। वर्ष 2017–18 के दौरान कुल 320 किलोमीटर ट्रैक डाला गया है।
- दोनों संयंत्रों से 5,75,723 पीएससी स्लीपर निर्मित किए गए।
- कुल 53 बड़े पुलों जिनमें रेनवाल में 1.2 किलोमीटर लंबी वायाडक्ट और 565 छोटे पुल का कार्य किया गया।
- 388 कि.मी. ब्लेंकेटिंग, 493 कि. मी. H/2 और 478 किलोमीटर H तक निर्माण पूरा हो गया है।
- डीएफसीसीआईएल में लेवल क्रॉसिंग क्लोजर के साथ 111 आरयूबी की कमीशनिंग शुरू हुई।
- वर्ष के दौरान 59,544 मिलियन टन रेल सामग्री की आपूर्ति की गई।

इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल ईएमपी – 4 पैकेज : वर्ष 2017–18 के दौरान 625.51 करोड़ रु. संवितरित किए गए हैं। मास्ट की नींव का निर्माण और डिजाइन कार्य प्रगति पर है और 8223 ओएचई फाउंडेशन का कार्य पूरा हो गया है।

इकबालगढ़–मकरपुरा अनुभाग (सीटीपी –3 आर, डब्ल्यूडीएफसी चरण –1)

- **स्लीपर उत्पादन** : भांडू में कंक्रीट स्लीपर प्लांट को चालू किया गया और 31.03.18 तक 1,31,144 नग स्लीपर का उत्पादन किया गया।
- **छोटे पुल** : 92 पुलों का कार्य प्रगति पर है।
- **रेल की खरीद** : जापान से 20,326 मीट्रिक टन रेल प्राप्त की गई

वैतरना–जेएनपीटी अनुभाग (सीटीपी –11, डब्ल्यूडीएफसी चरण – 2)

- सिविल कार्य : दिनांक 15.07.2016 को ₹ 2949 करोड़ की राशि के लिए मे. एक्सप्रेस फ्रेट रेलवे कंसोर्शियम को 102 कि.मी. की लंबाई का अनुबंध प्रदान किया गया।
- 100 प्रतिशत आरओडब्ल्यू सत्यापित और कुल 83.80 किलोमीटर संविदाकार को सौंप दिया गया है। 90 प्रतिशत सर्वेक्षण और 80 प्रतिशत जीटीआई कार्य पूरे हो चुके हैं।

सचिन–वैतरना अनुभाग (सीटीपी.12, डब्ल्यूडीएफसी चरण– ।।)

- सिविल कार्य : मेसर्स एक्सप्रेस फ्रेट कंसोर्शियम को 186 कि.मी. की लंबाई के लिए ₹ 2171 करोड़ की राशि का अनुबंध दिया गया।
- 31.03.2018 तक संविदाकारों को कुल 122.68 करोड़ की राशि का भुगतान किया गया। कार्य की कुल भौतिक प्रगति लगभग 9.14 प्रतिशत है और पूरी वित्तीय प्रगति लगभग 5.65 प्रतिशत है।

वडोदरा–सचिन अनुभाग (सीटीपी–13, डब्ल्यूडीएफसी चरण – ।।)

- सिविल कार्य : मे. एक्सप्रेस फ्रेट कंसोर्शियम को 134 कि.मी. की लंबाई के लिए 2158 करोड़ रुपए की राशि का अनुबंध दिया गया।
- 05 बड़े पुलों, 14 छोटे पुलों और 04 बड़े आरयूबी और 21 छोटे आरयूबी में कार्य प्रगति पर है।
- कार्य की कुल भौतिक प्रगति लगभग 13.37 प्रतिशत है और पूरी वित्तीय प्रगति लगभग 10.22 प्रतिशत है।

स्पेशल स्टील ब्रिज पैकेज (15 ए, बी, सी)

- नर्मदा पुल पर वर्ष के दौरान कुल 237 लिफ्टों की कंक्रीटिंग पूरी की गई है। कुल 30 कुओं में से, 3 कुओं में 100 प्रतिशत सिंकिंग पूरी की गई और 10 कुओं में 50 प्रतिशत सिंकिंग सफल हुई है।
- तीन महत्वपूर्ण नदियों तापी, पार और दमनगंगा पर स्टील पुलों का निष्पादन पूरी गति से शुरू किया गया।

डब्ल्यूडीएफसी चरण –2 (ईएमपी –16) में विद्युत कार्य

- 150 वर्ग मि.मी. कान्ट्रैक्ट वायर के लिए प्रोटोटाइप टेस्ट और 8 एमवीए ऑटो ट्रांसफार्मर के लिए 14.3 एमवीए ऑटो ट्रांसफॉर्मर और फैक्टरी स्वीकृति परीक्षण (एफएटी) सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

डब्लूडीएफसी चरण –2 (एसटीपी –17) मेंएस एंड टी कार्य

- आरडीएसओ ने 26–03–2018 को कुकरवाड़ा साइट स्टोरवेयर में छह स्टेशनों के लिए सहायक उपकरण के साथ परीक्षण किए गए इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग उपकरण प्रदान किए।

रेवाड़ी–दादरी सेक्शन (सीटीपी –14, डब्ल्यूडीएफसी चरण–2)

- मेसर्स Sojitz-एल एंड टी कंसोर्शियम को 128 कि. मी. की लंबाई वाले रेवाड़ी–दादरी सेक्शन के सभी सिविल, इलेक्ट्रिकल और एस एंड टी कार्यों (एकीकृत पैकेज सीटीपी –14) के लिए 14.10.2016 को ₹ 3799 करोड़ की राशि का अनुबंध दिया गया।
- संविदाकारों को 31.03.18 तक कुल ₹ 463.48 करोड़ राशि का भुगतान किया गया। कार्य की कुल भौतिक प्रगति लगभग 14.27 प्रतिशत है और वित्तीय प्रगति लगभग 12.20 प्रतिशत है।

पूर्वी डीएफसी

भाऊपुर–खुर्जा अनुभाग (सीपी–101, 102, 103, 104, ईडीएफसी –1)

सिविल कार्य प्रगति पर है। वर्ष के दौरान कुल वित्तीय प्रगति 665 करोड़ रु. थी। 31.03.2018 तक प्रगति निम्नानुसार है :

- 5 बड़े और 235 छोटे पुल पूरे किए गए हैं। 7 आरएफओ और 11 आरओबी पर काम प्रगति पर है।
- 2017–18 के दौरान मैकेनाइज्ड ट्रैक बिछाने वाली मशीन के साथ 241 कि.मी. के ट्रैक की लिंकिंग से 410 कि.मी. तक लिंक किया गया।
- 9502 ओएचई फाउंडेशन कुल ढाले गए और 5292 खंभों का निर्माण किया गया।
- 32 प्रतिशत ट्रेंचिंग और केबल लेइंग 25 प्रतिशत पूरा हो गया। 29 प्रतिशत सिग्नल नींव और 40 प्रतिशत स्थान पर नींव पूरी हो चुकी है। 15 प्रतिशत स्थानों पर बॉक्स स्थापित किए गए हैं। एस एंड टी सर्विस बिल्डिंग की 21 नग संरचनाएं पूरी की गई हैं और 40 स्थानों पर कार्य प्रगति पर है।

खुर्जा–दादरी अनुभाग (सीपी–302, ईडीएफसी–1)

- राज्य सरकार के साथ मामले के सक्रिय अनुसरण सहित बुलंदशहर जिले में 27 कि. मी. भूमि का अधिग्रहण किया गया। इस भूमि उपलब्धता के साथ सीपी–302 में 41 कि.मी. (75.4 प्रतिशत) अधिकृत की जा चुकी है।
- H/2 17.53 कि.मी. और H का 11.96 कि.मी. तक निर्माण पूरा हो गया।
- सीपी–302 हेतु 2017–18 में कैपेक्स लगभग 30 करोड़ रुपए हुआ।

भाऊपुर–मुगलसराय अनुभाग (सीपी–201 और 202, ईडीएफसी –2)

- वर्ष के दौरान वित्तीय प्रगति 905 करोड़ रुपए थी जिससे कुल खर्चा 1694 करोड़ रुपए हो गया।

- H/2 121 कि.मी. तक का निर्माण और H 108 कि.मी. तक का निर्माण पूरा किया गया जो क्रमशः कुल रूप से 147 कि.मी. और 204 कि. मी. हो गया।
- यमुना पुल की नींव रखी गई। गर्डर का निर्माण शुरू हुआ।
- पहाड़ा और रामवा डिपो का निर्माण किया गया। 260 मी. रेल पैनल साइट पर पहुंचनी शुरू हो गई। साइट पर 150 कि.मी. ट्रैक के लिए रेल पैनल पहुंचाए गए।
- एनटीसी मशीन द्वारा ट्रैक लिंकिंग शुरू हो हुई।
- कान्ट्रैक्ट और कैटेनरी वायर के प्रोटोटाइप टेस्ट और एफएटी पूरा।
- ओएचई मास्ट का प्रोटोटाइप टेस्ट पूरा।
- ट्रैक्शन ट्रांसफॉर्मर और ऑटो ट्रांसफॉर्मर के आकार को अंतिम रूप दिया गया है।
- कुल 22532 नग के दायरे में 603 नग ओएचई मास्ट फाउंडेशन को कास्ट किया गया।
- रामवा और पहाड़ा में भारतीय रेलवे के साथ सिग्नलिंग और इंटरलॉकिंग व्यवस्था के साथ अस्थायी कनेक्शन का कार्य शुरू किया गया।
- सिग्नलिंग कार्य : 12 में से 6 ब्लॉक अनुभाग के एसआईपी को मंजूरी दी गई। सिग्नलिंग केबल्स की फैक्टरी स्वीकृति परीक्षण पूरा हुआ और केबल ट्रेन्चिंग का कार्य शुरू हो गया था।
- टेलीकॉमः दूरसंचार डिजाइन कार्य प्रगति पर है। ओएफसी केबल्स की फैक्टरी स्वीकृति परीक्षण पूरा हुआ। केबल ट्रेन्चिंग का कार्य शुरू हुआ।

पिलखानी–सहनीवाल अनुभाग (सीपी –301, ईडीएफसी –3)

- दो महत्वपूर्ण पुलों, 79 छोटे पुलों और 23 बड़े पुलों का कार्य प्रगति पर है।

भूमि अधिग्रहण

- इस वर्ष भूमि अधिग्रहण में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। अब तक कुल आवश्यकता की 98% भूमि अधिग्रहण की जा चुकी है। (सोननगर–दानकुनी खण्ड को छोड़कर)
- 2017–18 में अदालतों में चल रहे लगभग 495 और 2047 आरबीट्रेशन मामलों को निपटाया गया।
- इसी साल माननीय रेल मंत्री के अथक प्रयासों के फलस्वरुप पिछले 2 वर्षों से विभिन्न राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा और महाराष्ट्र में लम्बित भूमि अधिग्रहण से संबंधित मामलों को सुलझाया गया जिसमें संबंधित राज्यों के मुख्य सचिवों तथा प्रगति मीटिंग की मदद ली गई।

पर्यावरणीय अनापत्तियां

- नेशनल बोर्ड वाईल्डलाइफ/एमओईएफ, नई दिल्ली ने 04.01.2018 को गौतम बुद्ध वन्यजीव अभ्यारण्य (63.85 हेक्टेयर), गया, बिहार का वन्यजीव अनापत्ति प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की।
- पूर्वी डीएफसी ने इस वर्ष निम्नलिखित वन्य अनापत्तियां प्राप्त की:
  - i) अम्बाला, हरियाणा में 0.255 हेक्टेयर
  - ii) लुधियाना एवं पटियाला, पंजाब 2.981 हेक्टेयर
  - iii) अम्बाला, हरियाणा में 0.1733 हेक्टेयर
  - iv) बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश में 3.4938 एवं 0.7957 हेक्टेयर
  - v) 8 जिलों में 10.4967 हेक्टेयर (कानपुर देहात, औरईया, ईटावा, फिरोजाबाद, आगरा, हाथरस, अलीगढ़, मिर्जापुर)
  - vi) इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश में 0.588 हेक्टेयर
    मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश में 0.9571 हेक्टेयर
  - vii) सहारनपुर, उत्तर प्रदेश में 4.665 हेक्टेयर
  - viii) गिरिडिह में 2.2227 हेक्टेयर एवं 1.7936 हेक्टेयर धनबाद, झारखंड
  - ix) गया, बिहार में 117.584 हेक्टेयर जिसमें 63.85 हेक्टेयर वन्य जीवों हेतु
- पिलखानी–साहनेवाल खण्ड को संरक्षा और पर्यावरण के लिए 10 वां CIDC विश्वकर्मा पुरस्कार मिला।

मानव संसाधन/कार्पोरेट सामजिक दायित्व (CSR)

- प्रत्यक्ष भर्ती (खुले बाजार से) : खुले बाजार के माध्यम से डीएफसीसीआईएल में शामिल हुए 128 कर्मचारी अर्थात् 04 सहायक प्रबंधक, 27 कार्यकारी अधिकारी, 01 कनिष्ठ अधिकारी और विभिन्न विभागों में एन 1 ग्रेड में 96 मल्टी–टास्किंग स्टाफ।
- **सीआईआई के माध्यम से कौशल विकास प्रशिक्षणः** कौशल विकास प्रशिक्षण (रोजगार/स्व रोजगार के लिए अग्रणी) के तहत पूर्वी कॉरिडोर में अंबाला और मेरठ और पश्चिमी कॉरिडोर में नोएडा और मुंबई (दक्षिण) में 950 बीपीएल/ पीएपी की **''परियोजना सक्षम चरण ।।।''** में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के माध्यम से प्रदान किया गया।
- रेलवे स्टेशनों पर आईआर–सौर पैनल व्यवस्था के लिए सीएसआर गतिविधियां: रेलवे स्टेशनों पर सौर पैनल व्यवस्था के लिए परियोजना को **"परियोजना ज्योति"** के रूप में नामित किया गया है। पूर्वी कॉरिडोर में, कोलकाता (धनबाद) इकाई और पश्चिमी कॉरिडोर में जयपुर इकाई ने सीएसआर गतिविधि शुरू की है और कार्य करने के लिए संबंधित रेलवे को धन वितरित किया गया है।
- गांवों में सौर ऊर्जा स्ट्रीट लाइटनिंग सिस्टम / सौर लालटेन : परियोजना को **"परियोजना ज्योति"** के रूप में नामित किया गया है और इसे विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम, सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक लिमिटेड (सीईएल) के माध्यम से निष्पादित किया जा रहा है। पूर्वी कॉरिडोर से इलाहाबाद (पूर्व) और पश्चिमी कॉरिडोर से अजमेर दोनों इकाइयों के लिए 50 लाख रुपए की कुल लागत पर गतिविधि की है।
- स्कूलों में कंप्यूटर / कंप्यूटर साक्षरता का प्रावधान : पूर्वी कॉरिडोर में टुंडला इकाई और पश्चिमी कॉरिडोर में अहमदाबाद इकाई के स्कूलों में दोनों इकाइयों के लिए 10 लाख रुपए की कुल लागत पर कंप्यूटर प्रदान किए गए।

व्यवसाय विकास

अध्ययन :

- विश्व बैंक की तकनीकी सहायता कार्यक्रम के तहत रखरखाव, संचालन, सुरक्षा और एचआरएम में वैश्विक अनुभव हासिल करने के लिए नीचे बताए गए चार प्रमुख अध्ययन शुरू किए गए हैं : –
  - i. भारत में हेवी हॉल रेल क्षमता विकास (एचएचआरसीडीआई)
  - ii. डीएफसीसीआईएल (सीएसएनडीएडी) के लिए गैर–भेदभाव पहुंच के लिए परामर्श सेवाएं।
  - iii. डीएफसीसीआईएल और इसके केचमेंट क्षेत्रों (डीएमसीएसडी) के लिए विपणन और वाणिज्यिक कार्यनीति के विकास के लिए परामर्श सेवाएं।
  - iv. डीएफसीसीआईएल (आईएसएमडी) के संस्थागत सुदृढीकरण मॉड्यूल के लिए परामर्श सेवाएं।
- डीएफसीसीआईएल पर टर्मिनलों के विकास के लिए, मल्टी–मोडल लॉजिस्टिक्स पार्क, प्राइवेट साइडिंग्स और पोर्ट्स सहित निजी फ्रेट टर्मिनलों को कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए प्रयोक्ता अनुकूल नीतियों को अंतिम रूप दिया गया है और इन्हें सार्वजनिक डोमेन पर रखा गया है।
- साथ रेल कनेक्टिविटी के लिए निम्नलिखित साइडिंग के लिए सैद्धांतिक अनुमोदन (आईपीए) :
  - ➢ नए मकरपुरा स्टेशन के पास वर्नामा में निजी माल ढुलाई के लिए मै. कॉन्कोर।
  - ➢ नए स्वरूपगंज स्टेशन के पास स्वरूपगंज में निजी माल ढुलाई के लिए मै. कॉन्कोर।
  - ➢ नए करचाना स्टेशन के साथ करचाना थर्मल पावर प्लांट की निजी साइडिंग के लिए मै. यूपीआरयूवीएनएल।
  - ➢ नए अहरुरा रोड स्टेशन के पास वाराणसी में मल्टी मोडल आईडब्ल्यूटी के लिए मै. आईडब्ल्यूएआई।
- डीएफसीसीआईएल सुरक्षा संगठन का गठन किया गया था।

कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस

- रेलवे बोर्ड द्वारा जारी सोशल मीडिया मॉनिटरिंग रिपोर्ट के अनुसार डीएफसीसीआईएल ने फेसबुक और ट्विटर पर फॉलोअर्स की संख्या बढ़ने के मामले में आईआरसीटीसी को छोड़कर अन्य सभी सात रेलवे पीएसयू से आगे अपना नेतृत्व बनाए रखा है।
- डीएफसीसीआईएल अन्य अनेक रेलवे पीएसयू की तुलना में अधिक मूल पोस्ट डालता है। डीएफसीसीआईएल के सभी फेसबुक पोस्ट द्विभाषी और क्षेत्रीय भाषाओं में होते हैं और लक्षित दर्शकों के आधार पर पोस्ट करते समय भी जैसे गुजराती, मराठी और पंजाबी आदि का उपयोग किया जाता है।
- प्रेस टूर : डीएफसीसीआईएल ने 09 दिसंबर 2017 को एक प्रेस टूर आयोजित किया। प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के कई प्रमुख समाचार संगठनों ने अलीगढ़, पूर्वी डीएफसी में आयोजित इस प्रेस टूर में भाग लिया। समाचार प्रेस, समाचार चैनलों और वेब मीडिया में इस प्रेस टूर को बहुत अच्छा कवरेज मिला।

विविध

21 जून 2017 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह मनाया गया।

स्वच्छ भारत मिशन 2017–18 – 16 अगस्त से 31 अगस्त 2017 तक स्वच्छता पखवाड़ा का पालनः स्वच्छता पखवाड़े के दौरान, कॉर्पोरेट और क्षेत्रिय कार्यालय में स्वच्छता अभियान शुरू किए गए।

सोशल मीडिया पर डीएफसी

फेसबुक पेज

फॉलोअरों की संख्या 4600+

कुल पोस्टों की संख्या 200+

अपलोड किए गए फोटोग्राफ और विडियो 330+

ट्विटर हैंडल

फॉलोअरों की संख्या 3140+

ट्वीट और रिप्लाई की संख्या 640+

अपलोड किए गए फोटोग्राफ और विडियो 240+

यू-ट्यूब-चैनल

सब्सक्राइबरों की संख्या 3270+

अपलोड किए गए विडियो 26+

कुल View की संख्या 4,49,290

प्रदर्शनियों में डी.एफ.सी. की भागीदारी

फिरोजाबाद प्रदर्शनी में डीएफसी स्टॉल का अवलोकन करते हुए माननीय श्री योगी आदित्य नाथ, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार

डी.एफ.सी ने 21 मार्च, 2018 को फिरोजाबाद (उ. प्र.) में, दिनांक 18–23 फरवरी के बीच मुंबई मे आयोजित मेगनेटिक महाराष्ट्र प्रदर्शनी एवं 03 से 05 मई 2017 के बीच इंडिया इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक्स सम्मेलन में भाग लिया। दर्शकों ने डी.एफ.सी द्वारा किये जा रहे कार्यों को सराहा।

डीएफसी के नए निदेशक (परिचालन एवं व्यवसाय विकास) ने पद भार संभाला

भारतीय रेल यातायात सेवा के अधिकारी श्री नवीन कुमार शुक्ला, 1983 बैच, के प्रमुख कार्यकारी निदेशक मोबिलिटी डायरेक्टरेट, रेलवे बोर्ड ने डीएफसीसीआईएल में निदेशक / परिचालन एवं व्यवसाय विकास के अतिरिक्त प्रभार के साथ कार्य भार संभाला है। रेलरोड उद्योग में तीन दशकों से अधिक के कैरियर में, उन्होंने रेल में विभागीय रेलवे प्रबंधक (डीआरएम)–वडोदरा, कार्यकारी निदेशक (परिप्रेक्ष्य योजना), मुख्य रेलवे परिवहन प्रबंधक और उत्तरी रेलवे के मुख्य यात्री विपणन प्रबंधक के प्रमुख असाइनमेंट सहित मंडल, क्षेत्रीय और बोर्ड स्तर पर विभिन्न भूमिकाओं में नेतृत्व प्रदान किया है। उनकी मूल क्षमता के क्षेत्रों में मालभाड़ा परिवहन और अनुकूलन, इंटरमोडल संचालन और सामरिक योजना शामिल हैं। उन्होंने केंद्रीय और राज्य सरकारों के विभिन्न मंत्रालयों के तहत बड़े पीएसयू में सरकारी नामांकित निदेशक के रूप में महत्वपूर्ण कार्य भी किया है, जो हैं कर्नाटक रेल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कंपनी (केआरआईडी), हसन मंगलौर रेल विकास निगम (एचएमआरडीसी)–दिल्ली, मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर विकास निगम (डीएमआईसीडीसी) और भरूच–दाहेज रेलवे निगम लिमिटेड।

वे दिल्ली विश्वविद्यालय (दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स) से स्नातकोत्तर के साथ एक प्रशिक्षित अर्थशास्त्री हैं। रेलवे में शामिल होने से पहले, वे भारतीय आर्थिक सेवा में कार्यरत थे। उन्होंने एचईसी–पेरिस और कार्नेगी मेलॉन विश्वविद्यालय–यूएसए से उन्नत प्रबंधन प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उन्होंने विश्व बैंक, जेआईसीए, एमएलआईटी, मेटी, यूआईसी, सार्क, फ्रेंच रेलवे, रूसी रेलवे, इतालवी रेलवे और जर्मन रेलवे सहित अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों और विदेशी रेलवे के साथ साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार की विभिन्न आउटरीच पहलों का नेतृत्व किया है। उन्होंने टोक्यो में इंडो–जापान शिखर सम्मेलन में और बर्लिन के आईएनएनओटीआरएएनएस में टोक्यो, वारसॉ, ब्रुसेल्स, जोहान्सबर्ग और पेरिस में यूआईसी बैठकों में भारतीय रेलवे का प्रतिनिधित्व किया है। कार्यकारी निदेशक (परिप्रेक्ष्य योजना) केरूप में उन्होंने भारतीय रेल की समर्पित फ्रेट कॉरिडोर परियोजना के लिए विश्व बैंक और जापान अंतरराष्ट्रीय निगम एजेंसी (जेआईसीए) से कई अरब डॉलर के ऋण पर बातचीत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डीएफसीसीआईएल में राजभाषा गतिविधियां

संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप समिति के उपाध्यक्ष डॉ. सत्य नारायण जटिया की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति का निरीक्षण दिनांक 27.01.2018 को सम्पंन हुआ। इस निरीक्षण में डीएफसी कार्यालय से प्रबंध निदेशक श्री अंशुमान शर्मा, श्री अनिल कुमार सिंह, मुख्य राजभाषा अधिकारी, श्री सुन्दर सिंह, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी, श्री विजय कुमार सक्सेना, सहायक प्रबंधक/राजभाषा तथा रेलवे बोर्ड से श्री एस. पी. माही, कार्यकारी निदेशक एवं श्री के.पी. सत्यानंदन, निदेशक/राजभाषा उपस्थित रहे। उप समिति में अन्य वरिष्ठ सांसद एवं राजभाषा संसदीय सचिवालय के अधिकारियों ने भाग लिया। निरीक्षण के दौरान डीएफसी कार्यालय द्वारा राजभाषा हिंदी में किए जा रहे कार्यों एवं प्रचार–प्रसार से संबंधित सामग्री की राजभाषा प्रदर्शनी का अवलोकन माननीय समिति सदस्यों द्वारा किया गया।

संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप समिति के माननीय उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ संसद सदस्य डा. सत्य नारायण जटिया का स्वागत करते हुए प्रबंध निदेशक श्री अंशुमान शर्मा

डीएफसी कार्यालय को सर्वोत्तम राजभाषा कार्यान्वयन में योगदान के लिए निदेशक राजभाषा, गृह मंत्रालय द्वारा शील्ड प्रदान की गई।

डीएफसीसीआईएल, कॉर्पोरेट कार्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक का आयोजन दिनांक 22.02.2018 को किया गया जिसमें समिति के अध्यक्ष एवं डीएफसी के प्रबंध निदेशक श्री अंशुमान शर्मा ने संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षण के दौरान उनके द्वारा राजभाषा के संबंध में सुधार संबंधी बिन्दुओं से सभी को सूचित किया जिसमें विशेषकर ''क'' एवं ''ख'' क्षेत्र से प्राप्त् अंग्रेजी पत्रों का उत्तर शत–प्रतिशत हिंदी में देने पर बल दिया। इसके अतिरिक्त धारा 3(3) का शत–प्रतिशत अनुपालन, हिंदी पत्राचार का लक्ष्य प्राप्त करने हेतु प्रत्येक विभाग द्वारा समुचित कार्रवाई करने पर बल, परियोजना कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन एवं राजभाषा विभाग, कॉर्पोरेट कार्यालय द्वारा अधीनस्थ कार्यालयों का निरीक्षण इत्यादि कार्यों को गंभीरता से लेने पर जोर दिया।

भारत सरकार, गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक राजभाषा कार्यक्रम 2017–18 की एक महत्वपूर्ण मद के अनुपालन में डीएफसीसीआईएल, कॉर्पोरेट कार्यालय एवं परियोजना कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों एवं अधिकारियों के लिए दो दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन दिनांक 08.03.2018 से 09.03.2018 तक किया गया जिसमें 44 स्टॉफ सदस्यों ने भाग लिया। कार्यशाला आयोजन के दौरान सहभागियों के लिए हिंदी की प्रश्न मंच प्रतियोगिता एवं हिंदी शब्द–ज्ञान एवं टिप्पण प्रतियोगिताएं आयोजित की गई और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

माह के उत्कृष्ट कर्मचारी

फरवरी 2018

कृष्णा चंद्रा स्वर्णकर

उप परियोजना प्रबंधक (एसएण्डटी)

श्री स्वर्णकर ने भारतीय रेलवे, रेलटेल और बीएसएनएल की एस एंड टी यूटीलिटिज को स्थानांतरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मार्च 2018

जे पी गोयल

उप मुख्य परियोजना प्रबंधक (इंजी.)

श्री गोयल के अथक प्रयासों के फलस्वरूप लगभग 150 किमी में भूमि अधिग्रहण का कार्य किया गया।

कार्य की प्रगति

डब्ल्यूडीएफसी – सिलेंड्रिकल फाउंडेशन ऑगरिंग का कार्य प्रगति पर

पश्चिमी डीएफसी – 676 बड़े पुल पर गर्डर्स का निर्माण प्रगति पर

डब्ल्यूडीएफसी – पी 2 शीर्ष प्लग प्रगति पर

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा प्रकाशित | कृपया पत्र–व्यवहार इस पते पर करें: संपादक, डीएफसी समाचार,
पंचम तल, प्रगति मैदान, मेट्रो स्टेशन भवन परिसर, नई दिल्ली– 110001, फैक्स 91-112345827, ईमेल: mowais@dfcc.co.in, rkhare@dfcc.co.in
वेबसाइट: www.dfccil.gov.in **संपादक:** मो. ओवैस, **सह-संपादक:** राजेश खरे
www.facebook.com/dfccil.india www.twitter.com/dfccil_india www.youtube.com/dfccilindia